पंजाब में बरामद काला धन

9844. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **वित्त** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पंजाब में गत दो वर्षों मे कितना काला धन बरामद किया गया,

(ख) इस संबंध में कितने व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई , और

(ग) इस अवधि में कितने व्यक्तियो पर मुकदमें चलाए गए और कितनो को दंड मिला ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री के० आर० गणेश) : (क) वर्ष 1972-73 और 1973-74 के दौरान पटियाला तथा अमृतसर से आयकर आयुक्तों के अधिकार क्षेत्रों में आय कर विभाग द्वारा ली गई तलाशियों के समय पकड़ी गई परिसम्पत्तियो का मूल्य निम्नानुसार है :

1972-73	1973-74
रु०	रु०
3,24,725/-	10,35,131/-

(ख) जिन 15 मामलो में मूल्यवान परिसम्पत्तिया पकड़ी गई थी, उनमें से 14 मामलो में आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 132 (5) के अधीन संक्षिप्त आदेश पास किया गया है । यह बताया गया है कि सभी मामलो मे नियमित कर-नर्धारण अनिर्णीत पड़े है ।

(ग) पटियाला और अमृतसर में आयु के अधिकार-क्षेत्रों में 1972-73 और 1973-74 के दौरान जिन व्यक्तियों के खिलाफ इस्तगासे की कार्यवाही की गई तथा जिन्हे अपराधी ठहराया गया है, उनकी संख्या नीचे दिये अनुसार है :—

	1972-73	73-74
इस्तगासे की कार्यवाही की गई . .	2	14
अपराधी ठहरवाया गया	1	1

रूप को किया गया निर्यात

9845. **श्री हुकम चन्द कछवाय** : क्या **वाणिज्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) रूस को देशी वस्तुओं के निर्यात के सम्बन्ध में सरकार की भावी योजना और नीति क्या है ; और

(ख) वित्तीय वर्ष 1974-75 के अनुमानित कितने रुपये की वस्तुओं का निर्यात किया जायेगा ?

वाणिज्य मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री ए० सी० जार्ज) : (क) सोवियत संघ को भारतीय वस्तुएं निर्यात करने के लिए दोनों देशों के बीच वार्षिक व्यापार समझौतों में व्यवस्थाएं की जाती है । ये समझौते 1971-75 के लिये दीर्घावधि योजना की रूपरेखा के अन्तर्गत तैयार किये जाते हैं । दोनों देशों के बीच व्यापार द्विपक्षीय तथा सन्तुलित आधार पर किया जाता है । वाणिज्यिक तथा गैर-वाणिज्यिक स्वरूप के सभी भुगतान अपरिवर्तनीय भारतीय रुपयों में किये जाते हैं । नीति का उद्देश्य दोनों के बीच व्यापार बढ़ाना तथा उसे विविध रूप बनाना है । इसका तात्पर्य सोवियत संघ को भारतीय वस्तुओं, विशेषत गैर परम्परागत वस्तुओं के निर्यात की मात्रा बढ़ाना है ।

(ख) यह अनुमान है कि कलेण्डर वर्ष 1974 के दौरान सोवियत संघ को 315 करोड़ रु० मूल्य का माल निर्यात किया जाएगा ।